भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4067

जिसका उत्तर दिनांक 22.12.2021 को दिया जाना है

परमाणु रिएक्टर

4067. श्री श्याम सिंह यादव :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार वर्तमान में अपनी कुल अधिष्ठापित 7 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने के लिए निकट भविष्य में नए परमाणु रिएक्टरों को बनाने की योजना बना रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार की अनेक देशों द्वारा अपने परमाणु ऊर्जा केंद्रों को चरणबद्ध तरीके से बंद करने की रिपोर्ट और सी.ओ.पी. 26 में भारत की निवल शून्य प्रतिबद्धता के आलोक में परमाणु रिएक्टरों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो क्या सरकार भविष्य में नए परमाणु रिएक्टर बनाना जारी रखने की योजना बना रही है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हां ।

(ख) वर्तमान में 6780 MW की क्षमता के कुल 22 रिएक्टर प्रचालनरत हैं और एक रिएक्टर, केएपीपी-3 (700 MW) को 10 जनवरी, 2021 को ग्रिड के साथ जोड़ दिया गया है । कुल 8000 MW की क्षमता के 10 रिएक्टर (भाविनी द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे 500 MW पीएफबीआर सहित) निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं और सरकार ने शीघ्रगामी (फ्लीट) मोड में स्थापित किए जाने के लिए कुल 7000 MW की क्षमता के 10 और रिएक्टरों के निर्माण के लिए प्रशासनिक अनुमोदन और वित्तीय मंजूरी प्रदान कर दी है । निर्माणाधीन और मंजूरी प्राप्त परियोजनाओं के क्रमिक रूप से पूरा होने पर, नाभिकीय क्षमता के वर्ष 2031 तक 22480 MW तक प्राप्त करने की आशा है । भविष्य में अधिक नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की योजना बनाई जा रही है ।

(ग) तथा (घ) सरकार के नाभिकीय विद्युत संयंत्रों को चरणबद्ध तरीके से बंद करने का कोई प्रस्ताव नहीं है । नाभिकीय ऊर्जा, भारी संभावनाओं के चलते और स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल होने के कारण संधारणीय तरीके से देश को दीर्घकालीन ऊर्जा प्रदान कर सकती है । शुद्ध शून्य अर्थव्यवस्था में देश के ऊर्जा संक्रमण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है । अतः अधिक नाभिकीय विद्युत क्षमता को बढ़ाए जाने की योजना है ।

* * * * *